KINDS OF MOTIVES: BIOGENIC

(2) प्यास : Thirst

दूसरा जन्मजात प्रमुख ~~अ~~जन्मजात अभिप्रेरक प्यास है जिस पर मनोवैज्ञानिकों का ध्यान अधिक गया है। पिछले शताब्दी के प्रारंभ में कुछ ऐसे प्रयोग किए गए जिनके आधार पर मनोवैज्ञानिकों ने यह बतलाया कि मुँह के भीतर गीलेपन में अत्यधिक कमी, यानी मुँह सुखने से हमें प्यास लगता है।

आजकल शरीरक्रिया मनोवैज्ञानिकों (Physiological Psychologist) ने प्यास की व्याख्या करने के लिए कई शारीरिक आधार (Physiological basis) बतलाये हैं।
जैसे — कुछ विशेषज्ञों ने यह दिखलाया है कि हाइपोथैलमस (hypothalmus) तथा पीयूष ग्रन्थि (Pituitary gland) से एक विशेष प्रकार का हारमोन्स निकलता है जिसे एन्टीडाइरेटिक हारमोन्स (antidiuretic hormones or ADH) कहा जाता है। ADH kidney द्वारा पानी शरीर से बाहर निकलने की प्रक्रिया पर अपना नियंत्रण रखता है। इस तरह से ADH, kidney (वृक्क) के कार्यवाही पर नियंत्रण रखकर शरीर में पानी के सामान्य स्तर को बनाये रखता है।

Date :

एक अन्य सिद्धांत द्वारा जिसे Double Depletion Theory कहा जाता है — के अनुसार प्यास दो शारीरिक क्रियाओं का परिणाम है — एक है कोशिकाओं में पानी की कमी हो जाना (cellular dehydration) तथा दूसरा है रक्त की मात्रा में कमी हो जाना (hypovolemia)। जब शरीर से अत्यधिक पानी निकल जाता है या भोजन के अनुसार उसे पानी नहीं मिलता तो शरीर की कोशिका का भीतरी भाग भी सूखने लगता है। ऐसी स्थिति में हाइपोथैलेमस में एक विशेष प्रकार की तांत्रिका कोशिका होती है जिसे osmoreceptor कहा जाता है, उत्तेजित होकर brain के उच्च केन्द्रों को nerve impulse भेजकर इस बात की सूचना देता है कि शरीर में पानी की कमी हो गयी है। जिससे व्यक्ति को प्यास का अनुभव होता है।

MOTIVATION

KINDS OF MOTIVES : BIOGENIC

Date : Lec-3

(3) यौन या काम (Sex)

काम तीसरा प्रमुख जन्मजात या जैविक अभिप्रेरक (biological motive) है, फिर भी यह अभिप्रेरक अन्य जैविक अभिप्रेरकों जैसे भूख तथा प्यास से निम्नांकित तीन तरह से भिन्न है —

(1) भूख तथा प्यास ऐसे अभिप्रेरक हैं जिनकी संतुष्टि बिना व्यक्ति का जीवित रहना संभव नहीं है परंतु यौन या काम की संतुष्टि किए बिना ही व्यक्ति जिन्दा रह सकता है। अतः यौन अन्य जन्मजात अभिप्रेरक से भिन्न है।

(2) भूख तथा प्यास में शरीर के भीतर कुछ खास तत्व की कमी पायी जाती है परन्तु यौन अभिप्रेरक में शरीर में किसी तत्व की कमी नहीं होती है।

(3) यौन अभिप्रेरक की उत्पत्ति वातावरण में उपस्थित संबंधी उद्दीपकों से अधिक होता है परन्तु भूख तथा प्यास अभिप्रेरक की उत्पत्ति उस तरह के उद्दीपकों से नहीं के बराबर होता है।

Date :

काम आवेग (sex drive) की व्याख्या विशेषज्ञों ने दो तरह के शारीरिक आधारों के रूप में किया है—

(क) हार्मोनल कारक (hormonal factor)
(ख) मस्तिष्क संबंधी कारक (brain factor)

(क) हार्मोनल कारक (hormonal factors)

स्त्री के यौन ग्रन्थि को डिम्बग्रन्थि (ovary) तथा पुरुष के यौन ग्रन्थि को अण्डग्रन्थि (testicle) कहते हैं। इन यौन ग्रन्थियों तथा एड्रीनल ग्रन्थि से स्त्री हार्मोन्स तथा पुरुष हार्मोन्स निकलते हैं। स्त्री हारमोन्स तथा पुरुष हार्मोन्स दोनों ही में पाये जाते हैं। स्त्री हार्मोन्स में एस्ट्रोजेनस (estrogens) प्रमुख है तथा पुरुष हार्मोन्स में टेस्टोस्ट्रोन (testosterone) मुख्य है।

जब रक्त में estrogens की मात्रा अत्यधिक होने लगती है तो स्त्रियों में गौण लैंगिक गुण जैसे, मासिक धर्म का प्रारंभ होना, स्तन की वृद्धि, आवाज में परिवर्तन आदि होते पाया जाता है।

पुरुष में काम की इच्छा जगाने के लिए खून में testosterone की मात्रा एक खास स्तर तक होना अनिवार्य है।

Date :.....

(ख) मस्तिष्क - संबंधी कारक (Brain factors)

योन आभिप्रेरक के कुछ लोगों ने brain factors के रूप में व्याख्या की है। पशुओं पर किए गए अध्ययनों से यह स्पष्ट हो गया है कि हाइपोथैलमस (hypothalmus) में घाव उत्पन्न करने से नर पशु तथा मादा पशु दोनों में ही यौनिक व्यवहार बहुत ही कम हो जाते हैं। दूसरी तरफ hypothalmus को बिजली द्वारा उत्तेजित किया जाता है तो दोनों ही यौनिक व्यवहार करने के लिए काफी तत्पर हो जाते हैं। Blumer & Naylor, 1967 के अध्ययन के अनुसार यदि लिम्बिक तंत्र में किसी प्रकार का घाव हो जाता है तो वैसी अवस्था में काम की इच्छा बिलकुल ही समाप्त होती देखी गयी है।